संख्या-757/2017/423/22-2-2017-17(278)/2017

प्रेषक,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 ***लखनऊ: दिनांक 14 सितम्बर, 2017***

विषय:- केन्द्रीय कारागार, नैनी, इलाहाबाद में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी रामशरण पुत्र श्री देवीदीन, निवासी-जनपद-महोबा की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-42941/प्रोबे0-5-द0या0 बैठक -28-10-2016 दिनांक 02-12-2016 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार बन्दी रामशरण पुत्र श्री देवीदीन, निवासी- ग्राम-अजनर, थाना-अजनर, जनपद-महोबा का रहने वाला है। बन्दी द्वारा पुरानी रंजिश को **लेकर दिनांक 18-07-2000 को 03 अन्य सहअभियुक्त के साथ मिलकर कुल्हाड़ी** से गर्दन काट कर 01 व्यक्ति की हत्या कर अपराध कारित किया गया। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-141/2000 में भा0द0वि0 की धारा-302/34 के अन्तर्गत मा0 द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश, महोबा द्वारा दिनांक 27-06-2002 को आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया। बन्दी के 02 अन्य सहअभियुक्त कारागार में सजा भुगत रहे हैं तथा 01 अन्य सहअभियुक्त जमानत पर है और जुबेनाइल कोर्ट में मुकदमा चल रहा है। बन्दी द्वारा दिनांक 12.10.2016 तक 15 वर्ष 11 माह 09 दिन की अपरिहार एवं 20 वर्ष 03 माह 00 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। पुलिस अधीक्षक तथा जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी के अपराध से समाज प्रभावित होने, भविष्य में पुन: अपराध कर सकने तथा जेल में और आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने की आख्या अंकित करते हुए बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। दयायाचिका समिति द्वारा कारित अपराध की प्रकृति जिला मजिस्ट्रेट तथा पुलिस अधीक्षक की आख्या के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि विषयांकित बन्दी रामशरण (बन्दी संख्या-1309/2009) पुत्र श्री देवीदीन, निवासी जनपद-महोबा की संविधान के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक् विचारोपरान्त शासन द्वारा **अस्वीकार** कर दी गयी है। कृपया उपरोक्त से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करे।

भवदीय,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

संख्या-757/2017/423(1)/22-2-2017 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, महोबा।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, नैनी, इलाहाबाद।
3- निजी सचिव मा0 राज्यमंत्री कारागार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ ।
4- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in